मध्यावधि 2026 • thesootr Survey

मध्यावधि 2026
thesootr Survey

संभाग समीक्षा रिपोर्ट

नर्मदापुरम संभाग

जिले : बैतूल | नर्मदापुरम | हरदा
कुल विधानसभा सीटें : 11
सर्वे वर्ष : 2026

MP के इतिहास का सबसे बड़ा और सबसे भरोसेमंद ऑनलाइन सर्वे

thesootr Survey

1. संभाग स्तरीय विश्लेषण — नर्मदापुरम संभाग

नर्मदापुरम संभाग में तीन जिले — **बैतूल, नर्मदापुरम और हरदा** — और **11 विधानसभा सीटें** शामिल हैं। thesootr के मध्यावधि 2026 सर्वे में इस संभाग के मतदाताओं से तीन प्रमुख प्रश्न पूछे गए। सर्वे के परिणाम समग्र रूप से संभाग में मध्यम संतुष्टि और जनता की सतर्क मनोदशा को दर्शाते हैं।

11	39.0%	37.5%	36.8%
कुल विधानसभा सीटें	विधायक संतुष्टि (संभाग औसत)	सरकार संतुष्टि (संभाग औसत)	कांग्रेस सक्रियता (संभाग औसत)

समग्र गहन विश्लेषण

प्रश्न 1 — विधायक संतुष्टि : संभाग में औसतन केवल **39.0%** मतदाता अपने विधायक से संतुष्ट हैं। बैतूल विधानसभा के विधायक **हेमंत बिजय खंडेलवाल (बीजेपी)** 64.6% के साथ स्पष्ट रूप से सर्वाधिक संतुष्टि अर्जित करते हैं — यह आँकड़ा संभाग में अपवादस्वरूप है। इसके विपरीत, भैंसदेही के विधायक **महेंद्र केशरसिंह चौहान (बीजेपी)** केवल 31.2% संतुष्टि के साथ सबसे निचले पायदान पर हैं। 9 में से 9 सीटों पर विधायक संतुष्टि 50% से नीचे है जो एक चेतावनी संकेत है।

प्रश्न 2 — सरकार संतुष्टि : डॉ. मोहन यादव की सरकार के प्रति संभाग में औसत संतुष्टि **37.5%** है। बैतूल विधानसभा में 57.4% के साथ सरकार सबसे अधिक लोकप्रिय है। पिपरिया में यह आँकड़ा सबसे कम 30.3% रहा, जो चिंताजनक है। कुल मिलाकर सरकार की स्वीकार्यता संभाग में मध्यम श्रेणी में है। उल्लेखनीय है कि जहाँ विधायक संतुष्टि 39% है, वहीं सरकार संतुष्टि 37.5% है — अर्थात सरकार की छवि विधायकों से थोड़ी कमज़ोर है।

प्रश्न 3 — कांग्रेस सक्रियता : संभाग में औसतन **36.8%** मतदाता कांग्रेस को प्रदेश में सक्रिय मानते हैं। सिवनी-मालवा में यह 42.9% तक पहुँचती है — जो संभाग में सर्वाधिक है। रोचक यह है कि सिवनी-मालवा में BJP विधायक **प्रेमशंकर कुंजीलाल वर्मा** की सीट पर ही कांग्रेस की सक्रियता सबसे अधिक है। पिपरिया में कांग्रेस की सक्रियता केवल 30.9% मानी गई, जो सबसे कम है।

डेटा परसेप्शन — आँकड़े क्या संकेत दे रहे हैं?

तीनों प्रश्नों पर 35-40% की सीमा में उत्तर यह दर्शाते हैं कि नर्मदापुरम संभाग में **कोई भी पक्ष स्पष्ट बहुमत की राजनीतिक सहानुभूति नहीं रखता**। बहुसंख्यक मतदाता तीनों पक्षों — विधायक, सरकार और विपक्ष — के प्रति तटस्थ या अनिर्णीत हैं। केवल बैतूल शहर में हेमंत खंडेलवाल का प्रदर्शन अपवाद है। यह संभाग 2028 के चुनावों में स्विंग-ज़ोन बनने की प्रबल संभावना दर्शाता है।

thesootr survey

2. संभाग — विधानसभावार तुलनात्मक तालिका

विधानसभा	जिला	विधायक	पार्टी	विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रियता
बैतूल	बैतूल	हेमंत बिजय खंडेलवाल	बीजेपी	**64.6%**	**57.4%**	37.4%
होशंगाबाद	नर्मदापुरम	सीतासरन शर्मा	बीजेपी	43.1%	36.5%	39.8%
मुलताई	बैतूल	चन्द्रशेखर देशमुख	बीजेपी	41.8%	37.6%	34.9%
सोहागपुर	नर्मदापुरम	विजयपाल सिंह	बीजेपी	37.9%	34.2%	31.1%
आमला	बैतूल	योगेश पंडाग्रे	बीजेपी	37.4%	36.8%	39.8%
टिमरनी	हरदा	कुंवर अभिजीत शाह	कांग्रेस	35.6%	32.8%	36.7%
घोड़ाडोंगरी	बैतूल	गंगा सज्जन सिंह उईके	बीजेपी	34.5%	36.8%	35.1%
हरदा	हरदा	रामकिशोर दोगने	कांग्रेस	33.7%	36.9%	39.0%
पिपरिया	नर्मदापुरम	ठाकुरदास नागवंशी	बीजेपी	33.3%	30.3%	30.9%
सिवनी-मालवा	नर्मदापुरम	प्रेमशंकर कुंजीलाल वर्मा	बीजेपी	31.7%	34.2%	**42.9%**
भैंसदेही	बैतूल	महेंद्र केशरसिंह चौहान	बीजेपी	31.2%	35.8%	36.9%
संभाग औसत				**39.0%**	**37.5%**	**36.8%**

रंग संकेत : ■ **45%+ (उच्च)** ■ 35-44% (मध्यम) ■ 35% से कम (निम्न)

thesootr survey

3-A. विधायक संतुष्टि — घटते क्रम में

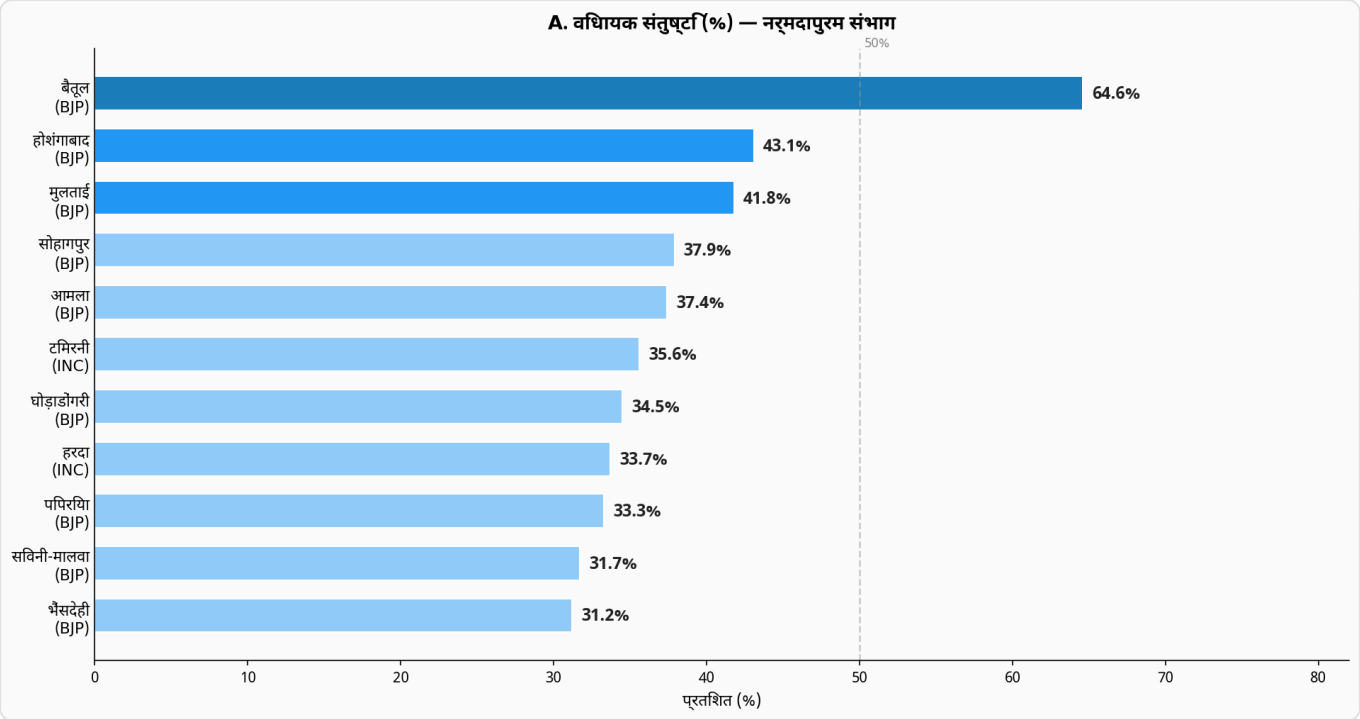

चार्ट 1: संभाग की सभी 11 विधानसभाओं में विधायक संतुष्टि का प्रतिशत (घटते क्रम में) — बैतूल (हेमंत खंडेलवाल) 64.6% के साथ सबसे ऊपर और भैंसदेही (महेंद्र चौहान) 31.2% के साथ सबसे नीचे।

3-B. सरकार संतुष्टि — घटते क्रम में

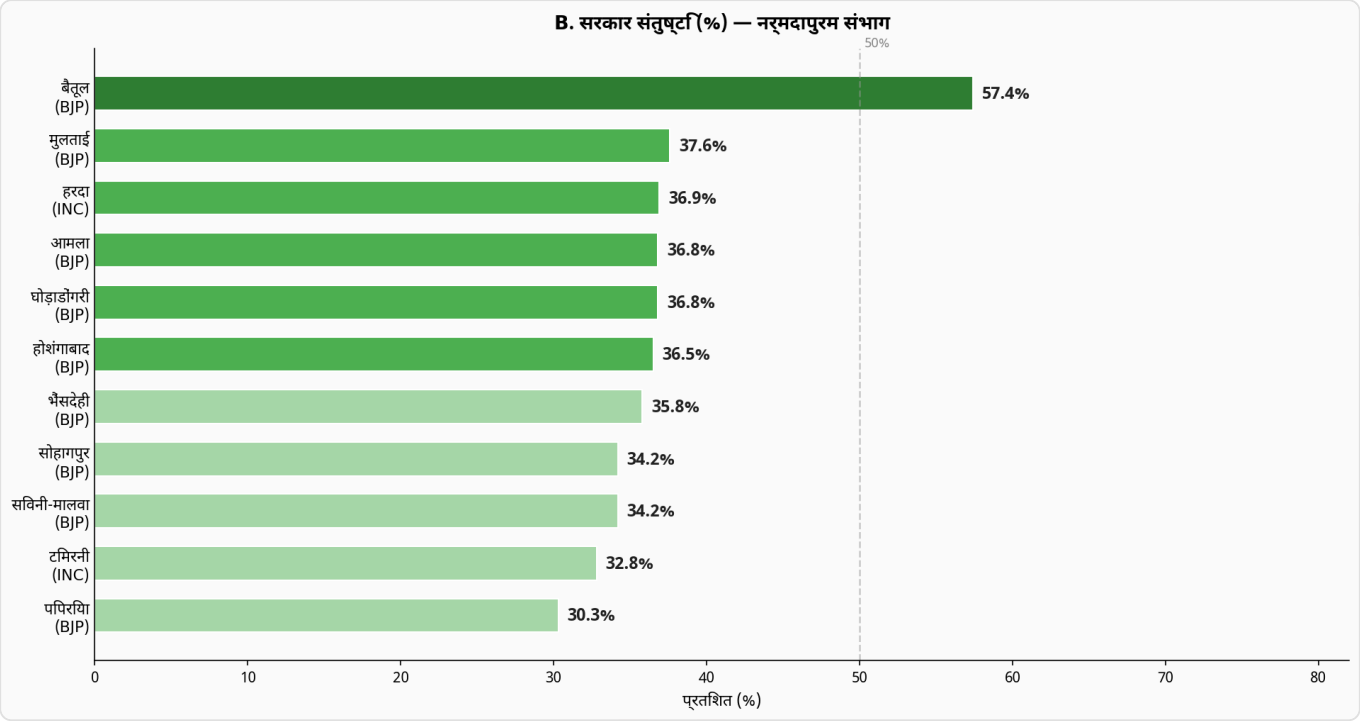

चार्ट 2: *BJP* सरकार एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति संतुष्टि प्रतिशत — बैतूल (57.4%) शीर्ष पर, पिपरिया (30.3%) सबसे नीचे।

3-C. कांग्रेस सक्रियता — घटते क्रम में

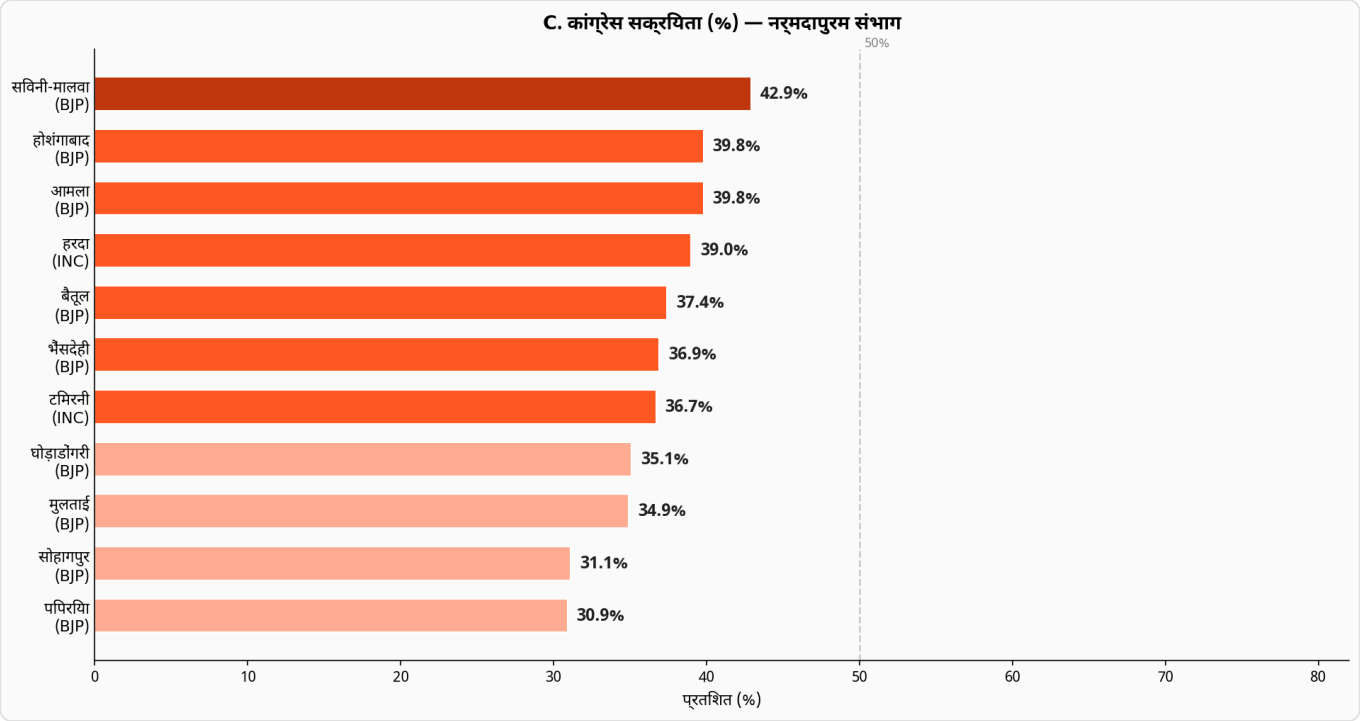

चार्ट 3: प्रदेश में कांग्रेस को सक्रिय मानने वाले मतदाताओं का प्रतिशत — सिवनी-मालवा (42.9%) में सर्वाधिक और पिपरिया (30.9%) में सबसे कम।

4. जिला एवं विधानसभावार विस्तृत विश्लेषण

जिला : बैतूल (5 विधानसभाएं)

बैतूल जिले में 5 विधानसभाएं हैं — आमला, घोड़ाडोंगरी, बैतूल, भैंसदेही और मुलताई। सभी 5 सीटों पर बीजेपी के विधायक हैं। जिले में औसत विधायक संतुष्टि 41.9%, सरकार संतुष्टि 40.9% और कांग्रेस सक्रियता 36.8% है। बैतूल शहर की सीट ने पूरे संभाग की औसत को ऊपर उठाया है।

विधानसभा : बैतूल

बीजेपी — हेमंत बिजय खंडेलवाल

64.6%	57.4%	37.4%
विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रियता

बैतूल विधानसभा संपूर्ण संभाग में सबसे मज़बूत स्थिति में है। विधायक हेमंत बिजय खंडेलवाल की 64.6% संतुष्टि दर्शाती है कि वे अपने क्षेत्र में प्रभावी जनसंपर्क बनाए हुए हैं। सरकार की 57.4% संतुष्टि भी उत्साहजनक है। कांग्रेस की सक्रियता 37.4% — अर्थात विपक्ष यहाँ कमजोर है।

क्या करना चाहिए

- इस सकारात्मक प्रदर्शन को बनाए रखने के लिए जमीनी कार्यक्रमों की निरंतरता आवश्यक है।
- विजय की स्थिति में शिथिलता न आने दें — नियमित जनसुनवाई जारी रखें।
- 63% असंतुष्ट मतदाताओं की शिकायतें भी समझी जानी चाहिए।

thesooti survey

विधानसभा : मुलताई

बीजेपी — चन्द्रशेखर देशमुख

41.8%	37.6%	34.9%
विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रियता

मुलताई में विधायक चन्द्रशेखर देशमुख की 41.8% संतुष्टि बैतूल जिले में दूसरे स्थान पर है। कांग्रेस यहाँ 34.9% पर कमजोर स्थिति में है, जो BJP के लिए अवसर है। सरकार संतुष्टि 37.6% — जिले के औसत के करीब।

क्या करना चाहिए

- 58% असंतुष्ट मतदाताओं की समस्याएँ जानने के लिए ग्राम-स्तरीय संवाद बढ़ाएं।
- स्थानीय विकास कार्यों का प्रचार-प्रसार प्रभावी ढंग से करें।

विधानसभा : आमला

बीजेपी — योगेश पंडाग्रे

37.4%	36.8%	39.8%
विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रियता

आमला में विधायक योगेश पंडाग्रे की संतुष्टि 37.4% है। यहाँ कांग्रेस की सक्रियता 39.8% है जो होशंगाबाद के बराबर और संभाग में सर्वाधिक में से एक है। यह संकेत है कि विपक्ष यहाँ सक्रिय हो रहा है।

क्या करना चाहिए

- कांग्रेस की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए जनसंपर्क अभियान तेज़ करें।
- जन-समस्याओं के त्वरित समाधान से विधायक की छवि सुधारें।

thesootr Survey

विधानसभा : घोड़ाडोंगरी (एसटी)

बीजेपी — गंगा सज्जन सिंह उईके

34.5%	36.8%	35.1%
विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रियता

अनुसूचित जनजाति (ST) आरक्षित इस सीट पर विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके की संतुष्टि 34.5% है जो चिंताजनक स्तर पर है। यहाँ सरकार संतुष्टि (36.8%) विधायक संतुष्टि (34.5%) से अधिक है — अर्थात समस्या व्यक्तिगत छवि से अधिक जुड़ी है।

क्या करना चाहिए

- आदिवासी क्षेत्र में विशेष योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।
- विधायक का जमीनी संपर्क बढ़ाने की आवश्यकता है — ग्राम भ्रमण योजना बनाएं।

विधानसभा : भैंसदेही

बीजेपी — महेंद्र केशरसिंह चौहान

31.2%	35.8%	36.9%
विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रियता

भैंसदेही संभाग में विधायक संतुष्टि के मामले में सबसे कमज़ोर स्थिति में है। 31.2% संतुष्टि और कांग्रेस की 36.9% सक्रियता एक साथ खतरे का संकेत देती है। सरकार की संतुष्टि (35.8%) विधायक संतुष्टि से अधिक है जो व्यक्तिगत छवि की समस्या को उजागर करता है।

क्या करना चाहिए

- विधायक की कार्यशैली और जनसंपर्क में तत्काल सुधार की आवश्यकता।
- क्षेत्र में विकास कार्यों की गति बढ़ाएं और सार्वजनिक सूचना दें।
- कांग्रेस की बढ़ती सक्रियता को प्रतिसंतुलित करने के लिए पार्टी का संगठन मज़बूत करें।

thesootr Survey

जिला : नर्मदापुरम (4 विधानसभाएं)

नर्मदापुरम जिले में 4 विधानसभाएं हैं — पिपरिया (एससी), सिवनी-मालवा, सोहागपुर और होशंगाबाद। सभी सीटों पर बीजेपी के विधायक हैं। जिले में विधायक संतुष्टि 36.5% और सरकार संतुष्टि 33.8% है — जो तीनों जिलों में सबसे कम है।

विधानसभा : होशंगाबाद

बीजेपी — सीतासरन शर्मा

43.1%	36.5%	39.8%
विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रियता

होशंगाबाद (जिला मुख्यालय) में विधायक सीतासरन शर्मा की 43.1% संतुष्टि नर्मदापुरम जिले में सर्वश्रेष्ठ है। लेकिन यहाँ कांग्रेस की सक्रियता 39.8% है जो चुनौतीपूर्ण है। सरकार संतुष्टि (36.5%) विधायक संतुष्टि से कम है।

क्या करना चाहिए

- जिला मुख्यालय होने के कारण यहाँ सरकारी योजनाओं की दृश्यता बढ़ाएं।
- कांग्रेस की 39.8% सक्रियता को देखते हुए BJP का शहरी संगठन सशक्त करें।

विधानसभा : सोहागपुर

बीजेपी — विजयपाल सिंह

37.9%	34.2%	31.1%
विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रियता

सोहागपुर में विधायक विजयपाल सिंह की संतुष्टि 37.9% है। यहाँ कांग्रेस सक्रियता सबसे कम (31.1%) है जो BJP के लिए सकारात्मक है। सरकार संतुष्टि 34.2% है।

क्या करना चाहिए

- कांग्रेस की कमज़ोर उपस्थिति का लाभ उठाते हुए विकास कार्यों को और गति दें।
- विधायक संतुष्टि बढ़ाने के लिए जनसुनवाई कार्यक्रम नियमित करें।

thesootr survey

विधानसभा : सिवनी-मालवा

बीजेपी — प्रेमशंकर कुंजीलाल वर्मा

31.7%	34.2%	42.9%
विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रियता

सिवनी-मालवा का संयोजन सबसे चिंताजनक है — विधायक संतुष्टि मात्र 31.7% जबकि कांग्रेस सक्रियता 42.9% (संभाग में सर्वाधिक)। यह स्थिति BJP के लिए अलार्म बेल है। प्रेमशंकर कुंजीलाल वर्मा की छवि को यहाँ तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

क्या करना चाहिए

- विधायक की व्यक्तिगत छवि सुधार के लिए मीडिया एवं सोशल मीडिया अभियान चलाएं।
- कांग्रेस की 42.9% सक्रियता को देखते हुए पार्टी का बूथ-स्तरीय संगठन मज़बूत करें।
- जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें।

विधानसभा : पिपरिया (एससी)

बीजेपी — ठाकुरदास नागवंशी

33.3%	30.3%	30.9%
विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रियता

पिपरिया (SC आरक्षित) में तीनों मानकों पर सबसे निम्न आँकड़े हैं। सरकार संतुष्टि 30.3% संपूर्ण संभाग में सबसे कम है। कांग्रेस की सक्रियता भी 30.9% के साथ सबसे नीचे है — इसका अर्थ यह है कि यहाँ जनता दोनों पक्षों से निराश है।

क्या करना चाहिए

- SC क्षेत्र में विशेष योजनाओं (दलित सशक्तिकरण, शिक्षा, रोज़गार) का प्रभावी क्रियान्वयन।
- विधायक का जनसंपर्क बढ़ाना अत्यंत आवश्यक — त्वरित शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करें।
- सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों की संख्या बढ़ाकर संतुष्टि सुधारें।

thesootr Survey

जिला : हरदा (2 विधानसभाएं)

हरदा जिले में 2 विधानसभाएं हैं — टिमरनी और हरदा। दोनों सीटों पर **कांग्रेस** के विधायक हैं। जिले में कांग्रेस सक्रियता (37.9%) अपेक्षाकृत अधिक है जो स्वाभाविक है।

विधानसभा : टिमरनी

कांग्रेस — कुंवर अभिजीत शाह

35.6%	32.8%	36.7%
विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रियता

कांग्रेस विधायक कुंवर अभिजीत शाह की 35.6% संतुष्टि अपेक्षाकृत कम है। सरकार (BJP) की संतुष्टि 32.8% है जो विधानसभा में BJP की कमज़ोरी दिखाती है। कांग्रेस सक्रियता 36.7% — पर यह विधायक की व्यक्तिगत संतुष्टि से अधिक है, अर्थात पार्टी की साख विधायक से बेहतर है।

क्या करना चाहिए

- कांग्रेस विधायक को जनसंपर्क और स्थानीय समस्याओं पर ध्यान देना होगा।
- पार्टी की सक्रियता को व्यक्तिगत कार्यों से जोड़ें ताकि विधायक की छवि सुधरे।

विधानसभा : हरदा

कांग्रेस — रामकिशोर दोगने

33.7%	36.9%	39.0%
विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रियता

हरदा विधानसभा में कांग्रेस विधायक रामकिशोर दोगने की संतुष्टि केवल 33.7% है। यहाँ एक विशेष संकेत यह है कि BJP सरकार की संतुष्टि (36.9%) विधायक की संतुष्टि (33.7%) से अधिक है — जो विपक्ष के क्षेत्र में BJP के लिए एक अवसर है। कांग्रेस सक्रियता 39% है।

क्या करना चाहिए

- कांग्रेस के लिए : विधायक की पहचान और कार्यों को जनता तक पहुँचाएं।
- BJP के लिए : सरकारी कार्यों का प्रचार करें — यहाँ सरकार की छवि विधायक से बेहतर है।
- दोनों दलों को स्थानीय मुद्दों पर ध्यान देना होगा।

thesootr Survey

5. प्रमुख निष्कर्ष एवं रणनीतिक संकेत

बैतूल
विधायक संतुष्टि में सर्वश्रेष्ठ (64.6%)

सिवनी-मालवा
सबसे चिंताजनक (31.7% विधायक + 42.9% INC)

पिपरिया
सबसे कम सरकार संतुष्टि (30.3%)

मुख्य निष्कर्ष 1 : नर्मदापुरम संभाग में 11 में से 10 सीटों पर विधायक संतुष्टि 50% से नीचे है। केवल बैतूल शहर अपवाद है। यह संभाग 2028 में प्रतिस्पर्धी क्षेत्र बनने की ओर संकेत करता है।

मुख्य निष्कर्ष 2 : सरकार और विधायक संतुष्टि के बीच का अंतर (39% vs 37.5%) बताता है कि जनता व्यक्ति एवं सरकार — दोनों को अलग-अलग आँकती है। कई सीटों पर सरकार की छवि विधायक से बेहतर है।

मुख्य निष्कर्ष 3 : कांग्रेस की 36.8% औसत सक्रियता दर्शाती है कि एक तिहाई से अधिक मतदाता विपक्ष को सक्रिय मानते हैं। सिवनी-मालवा (42.9%) में यह विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है।

मुख्य निष्कर्ष 4 : हरदा जिले की दोनों सीटें कांग्रेस के पास हैं, पर यहाँ भी कांग्रेस विधायकों की संतुष्टि 36% से कम है। यह दर्शाता है कि सत्तारूढ़ पार्टी (BJP) के लिए हरदा जिले में वापसी की संभावना है।

MP के इतिहास का सबसे बड़ा और सबसे भरोसेमंद ऑनलाइन सर्वे
thesootr Survey — मध्यावधि 2026 | नर्मदापुरम संभाग

thesootr Survey